

विधिवत् धर्मविज्ञान क्या है?

धर्मविज्ञान के बारे में प्रश्न

"विधिवत् प्रक्रिया" किसी ऐसी बात की ओर संकेत करती है जिसमें एक पद्धति में कुछ बातों को रख दिया जाता है। इसलिए, विधिवत् धर्मविज्ञान, धर्मविज्ञान की पद्धतियों में वह इकाई है जो विभिन्न क्षेत्रों की व्याख्या करती है। उदाहरण के लिए, बाइबल की बहुत सी पुस्तकें स्वर्गदूतों के बारे में सूचना देती हैं। परन्तु कोई भी एक पुस्तक स्वर्गदूतों के बारे में सभी जानकारीयों को नहीं दे देती है। विधिवत् धर्मविज्ञान स्वर्गदूतों के बारे में इन सभी सूचनाओं को बाइबल की पुस्तकों में से एकत्र करता है और इन शिक्षाओं को श्रेणीबद्ध आधारित पद्धतियों में संगठित कर देता है।

उचित धर्मविज्ञान या पितृविज्ञान परमेश्वर पिता का अध्ययन करना है। ख्रिष्टविज्ञान पुत्र परमेश्वर, अर्थात् यीशु मसीह का अध्ययन करना है। पवित्र आत्मा सम्बन्धी धर्मविज्ञान परमेश्वर पवित्रात्मा का अध्ययन करना है। बाइबल सम्बन्धी धर्मविज्ञान बाइबल का अध्ययन करना है। मोक्ष सम्बन्धी धर्मविज्ञान उद्धार का अध्ययन करना है। कलीसिया सम्बन्धी धर्मविज्ञान कलीसिया का अध्ययन करना है। युगान्त धर्मविज्ञान अन्त के समय का अध्ययन करना है। स्वर्गदूतों के सम्बन्ध में धर्मविज्ञान स्वर्गदूतों का अध्ययन है। मसीही दुष्टात्मा सम्बन्धी धर्मविज्ञान मसीही दृष्टिकोण से दुष्टात्माओं का अध्ययन करना है। मसीही नृविज्ञान मसीही दृष्टिकोण से मनुष्य का अध्ययन करना है। पाप सम्बन्धी धर्मविज्ञान पाप का अध्ययन करना है। विधिवत्

धर्मविज्ञान बाइबल को एक संगठित तरीके से समझने में हमारी सहायता करने के लिए एक महत्वपूर्ण औजार है।

विधिवत् धर्मविज्ञान के अतिरिक्त, अन्य और भी तरीकें हैं जिसमें धर्मविज्ञान को विभाजित किया जा सकता है। बाइबल आधारित धर्मविज्ञान बाइबल की किसी एक निश्चित पुस्तक (या पुस्तकों) का अध्ययन करना और धर्मविज्ञान के विभिन्न पहलूओं के ऊपर जोर देना जिसके ऊपर यह ध्यान केन्द्रित करती हैं। उदाहरण के लिए, यूहन्ना का सुसमाचार बहुत अधिक ख्रिष्टीय ज्ञान के ऊपर आधारित है क्योंकि यह बहुत ही मसीह के ईश्वरत्व के ऊपर ध्यान केन्द्रित करता है (यूहन्ना 1:1, 14; 8:58; 10:30; 20:28)। ऐतिहासिक धर्मविज्ञान धर्मसिद्धान्तों और यह कैसे मसीही कलीसिया में सदियों के मध्यहान् विकसित हुई हैं का अध्ययन है – उदाहरण के लिए, कॉल्विन का धर्मविज्ञान और युगावादी धर्मविज्ञान। समकालीन धर्मविज्ञान धर्मसिद्धान्तों का ऐसा अध्ययन है जो कि अभी हाल ही के वर्षों में ध्यान में आए हैं या विकसित हुए हैं। यह बात कोई अर्थ नहीं रखता है कि धर्मविज्ञान के किस तरीके का अध्ययन किया जाए, महत्वपूर्ण यह है कि धर्मविज्ञान का अध्ययन किया जाए।

स्रोत / Source: <https://www.gotquestions.org/Hindi/Hindi-systematic-theology.html> | English: <https://www.gotquestions.org/systematic-theology.html>

www.GotQuestions.org · <https://www.gotquestions.org/Hindi> · © Copyright
Got Questions Ministries · questions@gotquestions.org